PRATHAM BOOKS

पठन स्तर ३

लापता सुंदरी

Author: Priya Kuriyan
Illustrator: Priya Kuriyan
Translator: Prayag Shukla

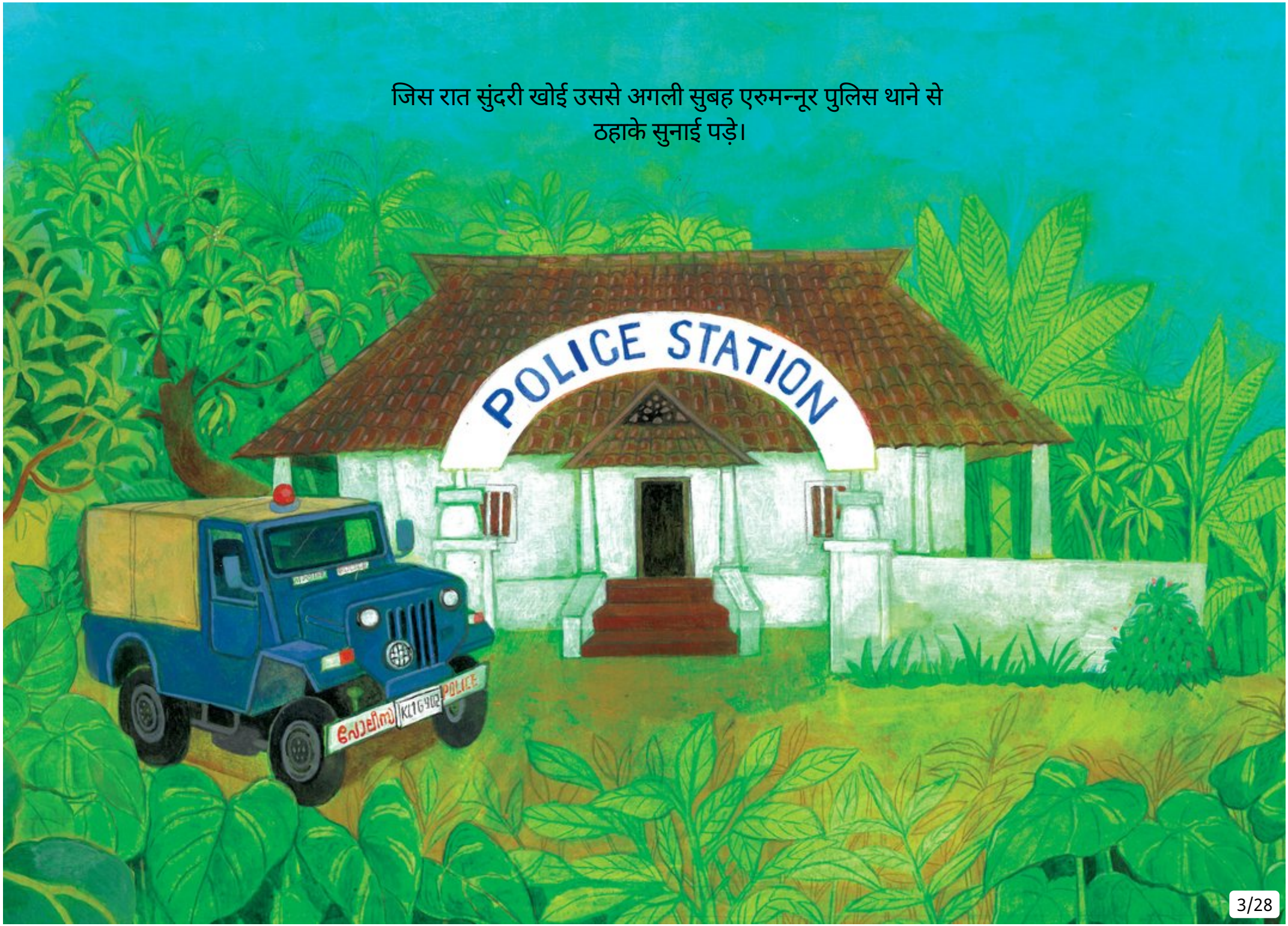

जिस रात सुंदरी खोई उससे अगली सुबह एरुमन्नूर पुलिस थाने से
ठहाके सुनाई पड़े।

हा.. हा.. हा.. हा..!

“भाई भैंस का नाम सुंदरी कौन रखता है!” इंस्पेक्टर गोपी ज़ोर से हँसा।

केवल दो ही लोगों को यह सारा मामला हँसने वाला नहीं लगा।

एक तो थी तेसम्मा, जिसकी प्रिय भैंस सुंदरी खो गई थी
और दूसरी थी एरुमन्नूर थाने की नई सिपाही जिंसी जोस...

जो तुरंत ही सुंदरी को ढूँढ़ने के काम में लग गई।

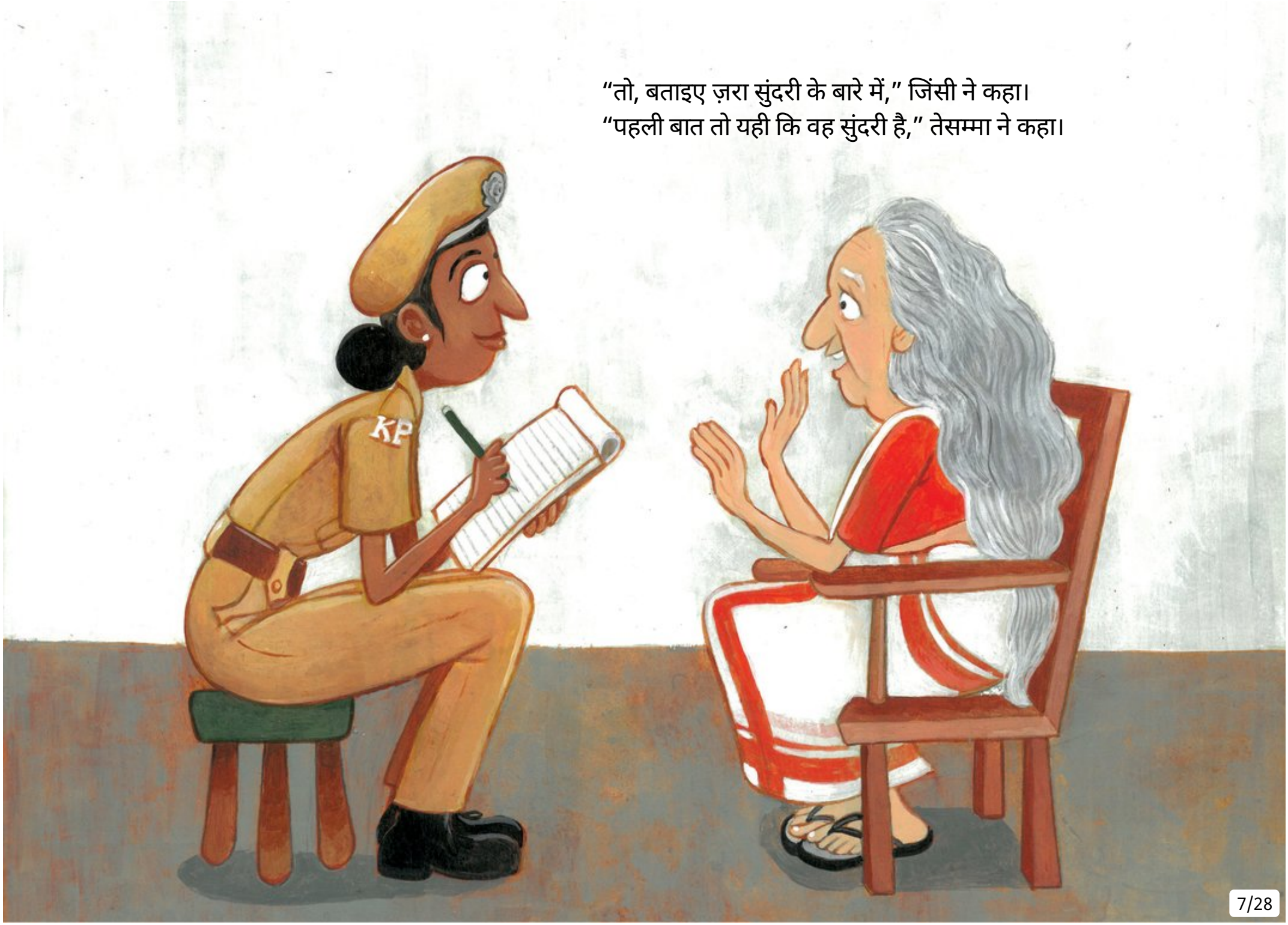
“तो, बताइए ज़रा सुंदरी के बारे में,” जिंसी ने कहा।
“पहली बात तो यही कि वह सुंदरी है,” तेसम्मा ने कहा।
KP

पों..पों..पीं...

"सचमुच वह रास्ता जाम कर देने वाली है।

जब सुबह उसे दुहा जा रहा होता है तो वह चाहती है कि रेडियो पर उसे पश्चिमी शास्त्रीय संगीत सुनाया जाए।

जब वह चर रही होती है तब उसे बॉलीवुड संगीत सुनना पसंद है।

जब वह पानी में लोट-पोट होती है तो उसे सुनने के लिए चाहिए मधुर मलियाली गीत। यही तो हैं उसके अपने नियम-कायदे। सुंदरी जो है।

और रात में वह हमेशा शांत संगीत की धुनें सुनते हुए सोती है।”

“वाह, संगीत की कैसी बेहतरीन पसंद है,” जिंसी ने सोचा।

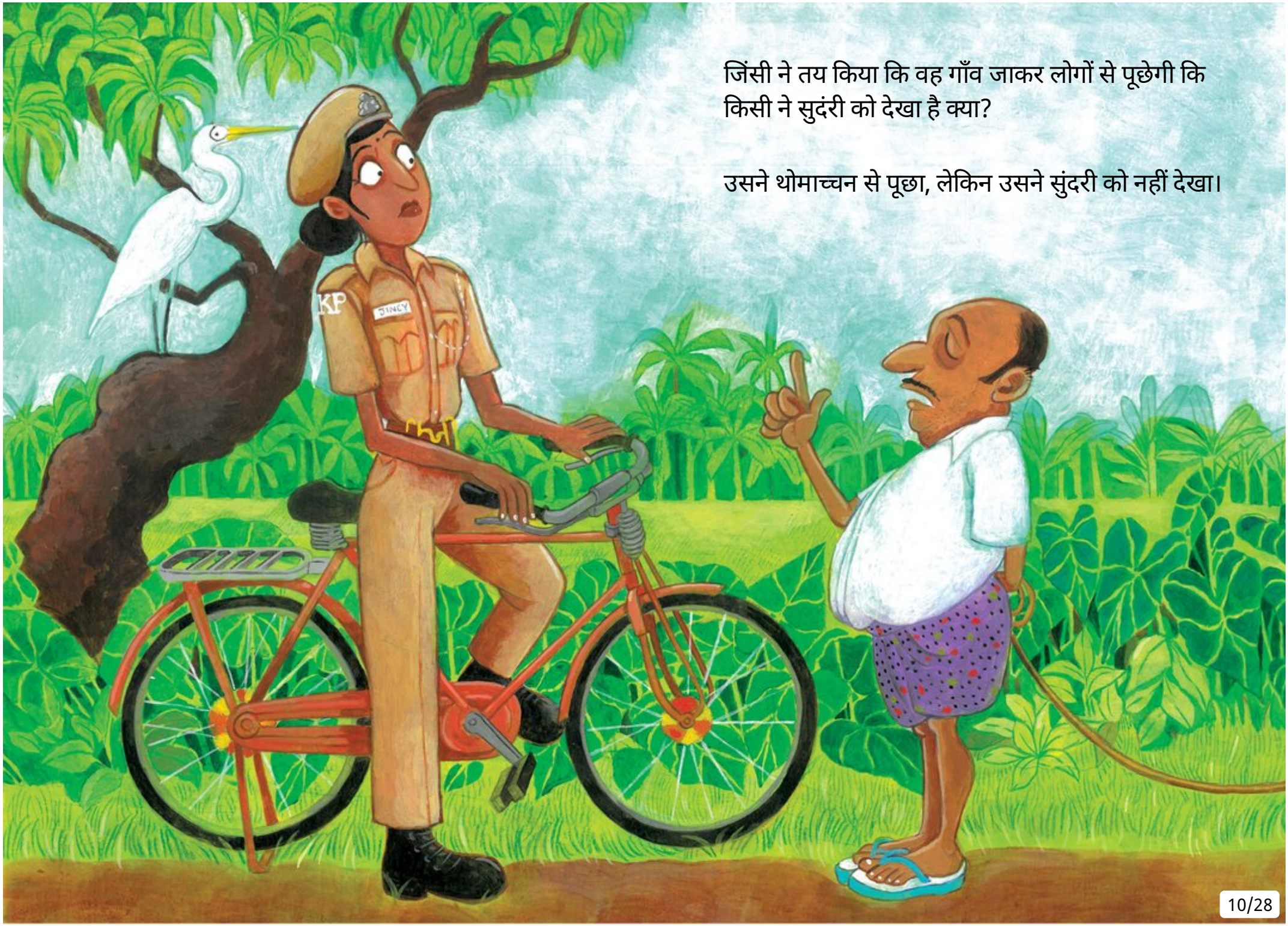

जिंसी ने तय किया कि वह गाँव जाकर लोगों से पूछेगी कि किसी ने सुदंरी को देखा है क्या?

उसने थोमाच्चन से पूछा, लेकिन उसने सुंदरी को नहीं देखा।

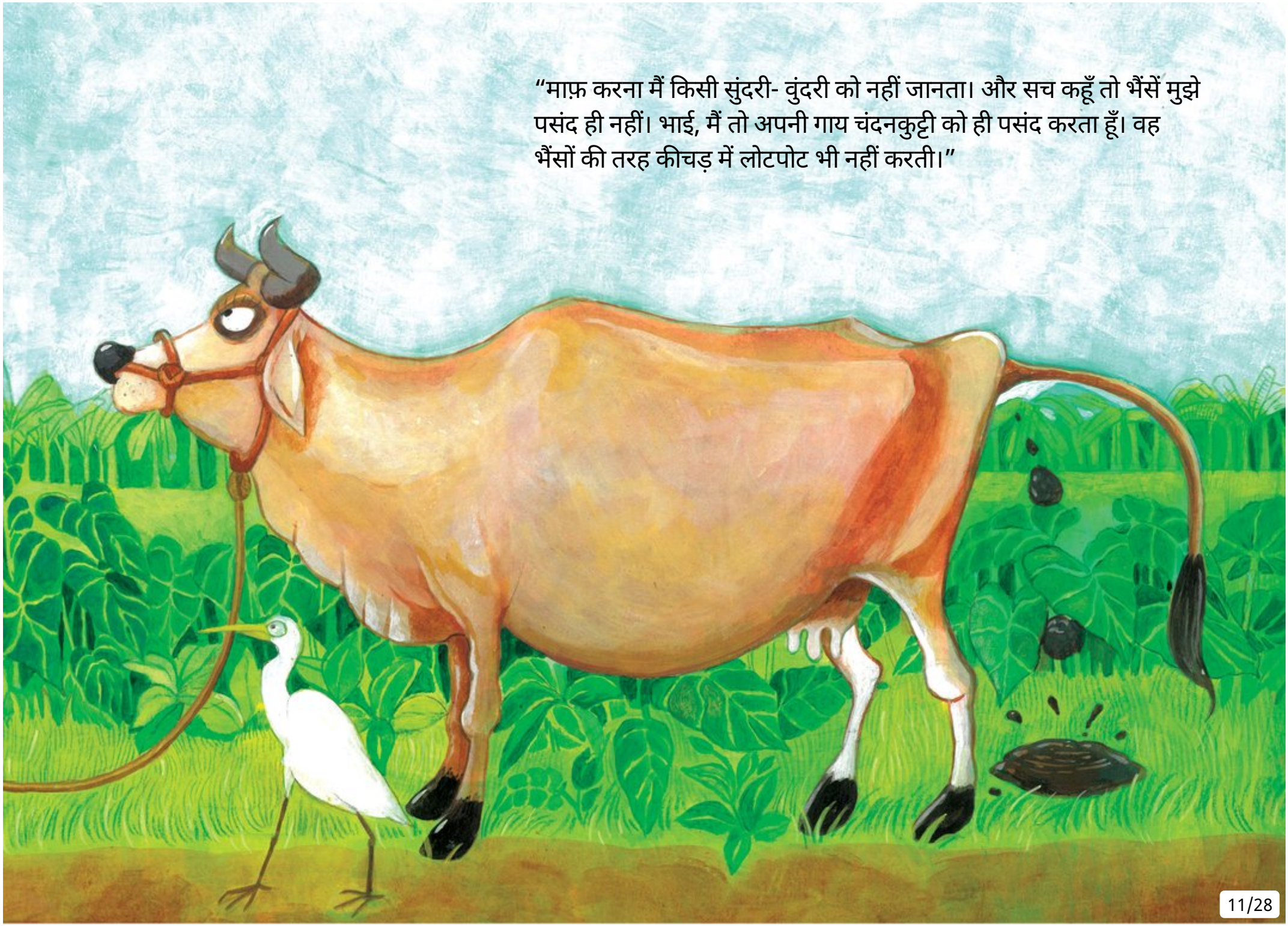
“माफ़ करना मैं किसी सुंदरी- वुंदरी को नहीं जानता। और सच कहूँ तो भैंसें मुझे पसंद ही नहीं। भाई, मैं तो अपनी गाय चंदनकुट्टी को ही पसंद करता हूँ। वह भैंसों की तरह कीचड़ में लोटपोट भी नहीं करती।”

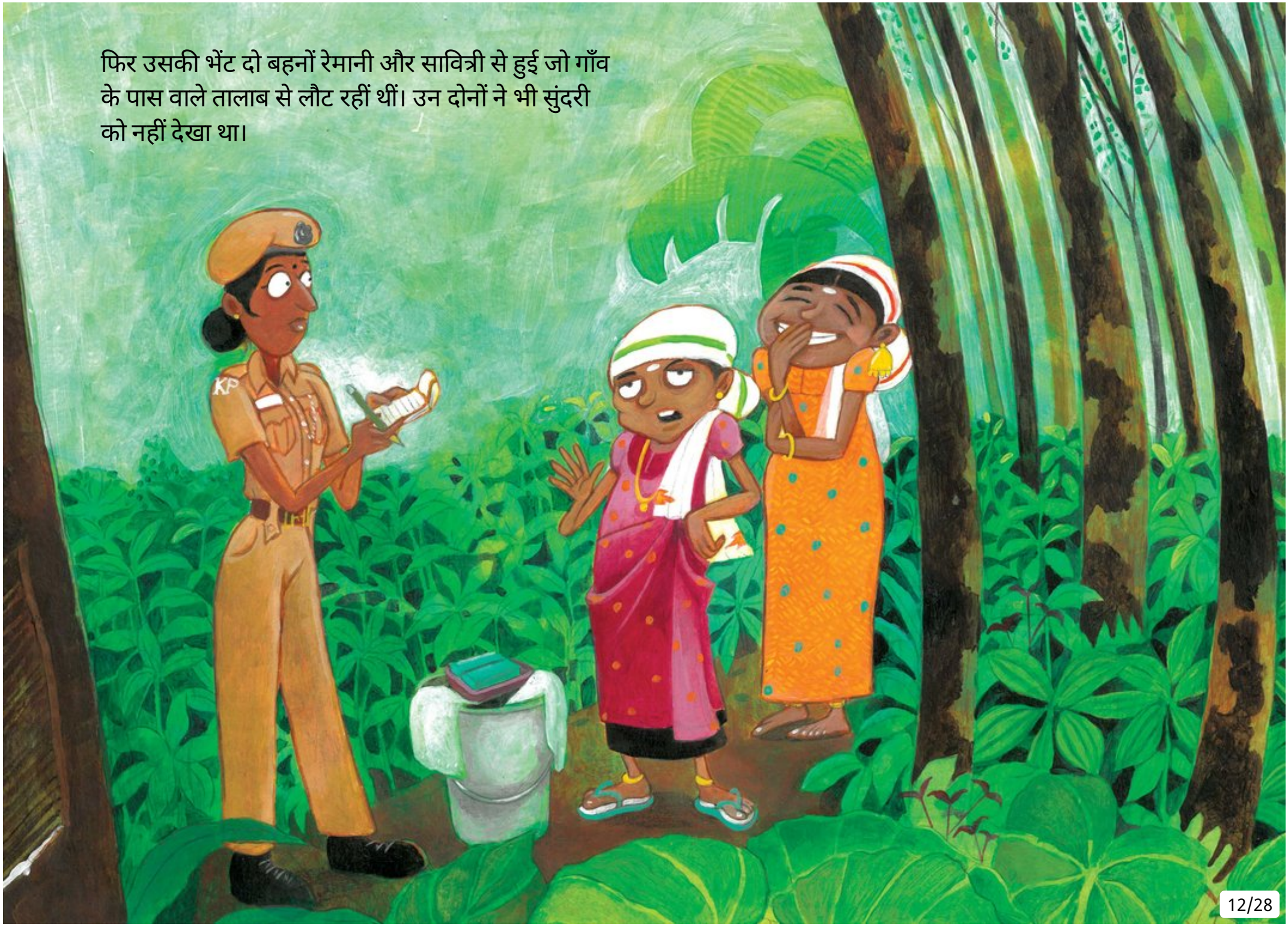
फिर उसकी भेंट दो बहनों रेमानी और सावित्री से हुई जो गाँव के पास वाले तालाब से लौट रहीं थीं। उन दोनों ने भी सुंदरी को नहीं देखा था।

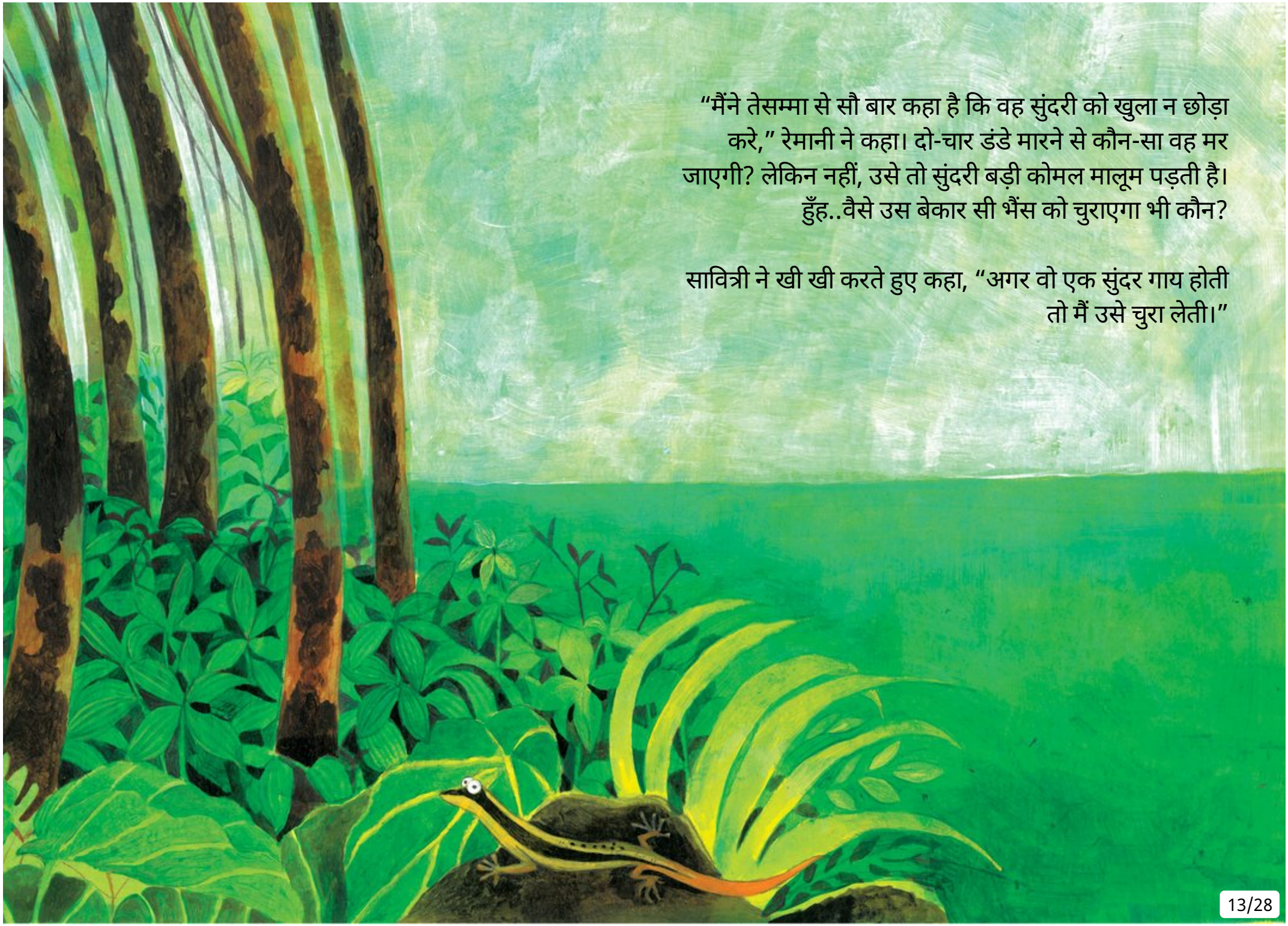

“मैंने तेसम्मा से सौ बार कहा है कि वह सुंदरी को खुला न छोड़ा करे,” रेमानी ने कहा। दो-चार डंडे मारने से कौन-सा वह मर जाएगी? लेकिन नहीं, उसे तो सुंदरी बड़ी कोमल मालूम पड़ती है। हुँह..वैसे उस बेकार सी भैंस को चुराएगा भी कौन?

सावित्री ने खी खी करते हुए कहा, “अगर वो एक सुंदर गाय होती तो मैं उसे चुरा लेती।”

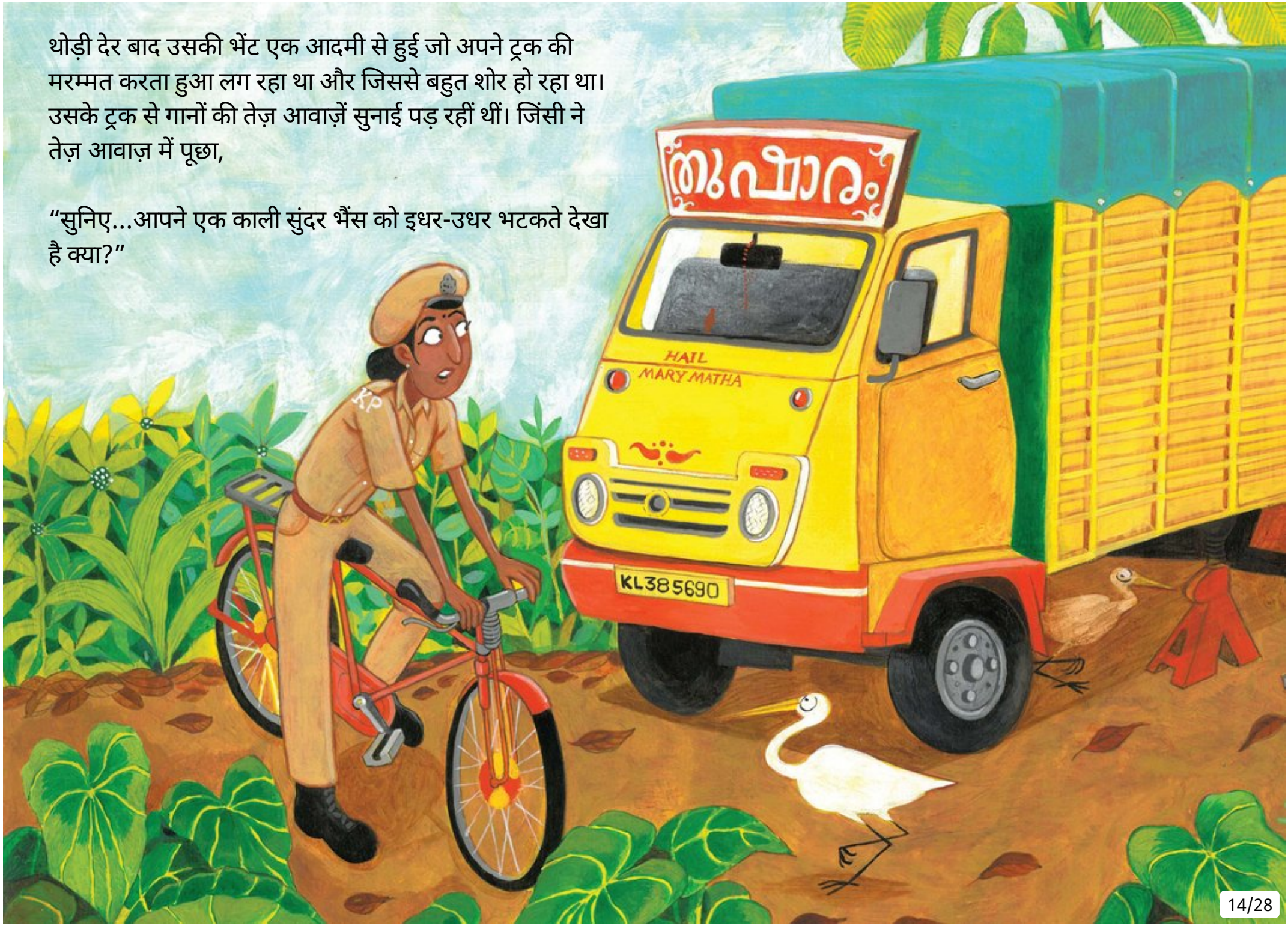

थोड़ी देर बाद उसकी भेंट एक आदमी से हुई जो अपने ट्रक की मरम्मत करता हुआ लग रहा था और जिससे बहुत शोर हो रहा था। उसके ट्रक से गानों की तेज़ आवाज़ें सुनाई पड़ रहीं थीं। जिंसी ने तेज़ आवाज़ में पूछा,

"सुनिए...आपने एक काली सुंदर भैंस को इधर-उधर भटकते देखा है क्या?"

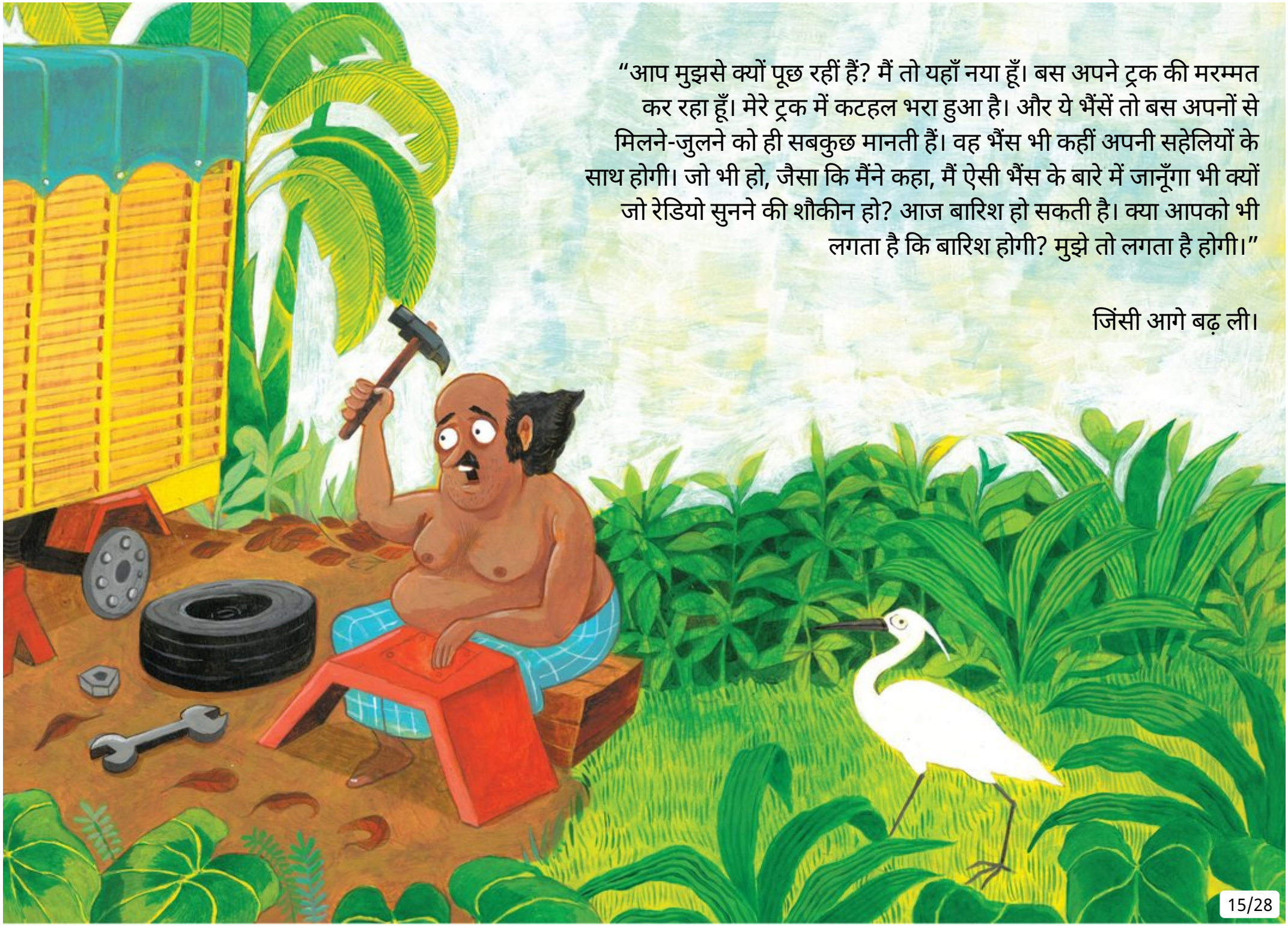

"आप मुझसे क्यों पूछ रहीं हैं? मैं तो यहाँ नया हूँ। बस अपने ट्रक की मरम्मत कर रहा हूँ। मेरे ट्रक में कटहल भरा हुआ है। और ये भैंसें तो बस अपनों से मिलने-जुलने को ही सबकुछ मानती हैं। वह भैंस भी कहीं अपनी सहेलियों के साथ होगी। जो भी हो, जैसा कि मैंने कहा, मैं ऐसी भैंस के बारे में जानूँगा भी क्यों जो रेडियो सुनने की शौकीन हो? आज बारिश हो सकती है। क्या आपको भी लगता है कि बारिश होगी? मुझे तो लगता है होगी।"

जिंसी आगे बढ़ ली।

जिंसी ने साइकिल पर सारा एरुमन्नूर छान मारा लेकिन उसे सफलता न मिली।

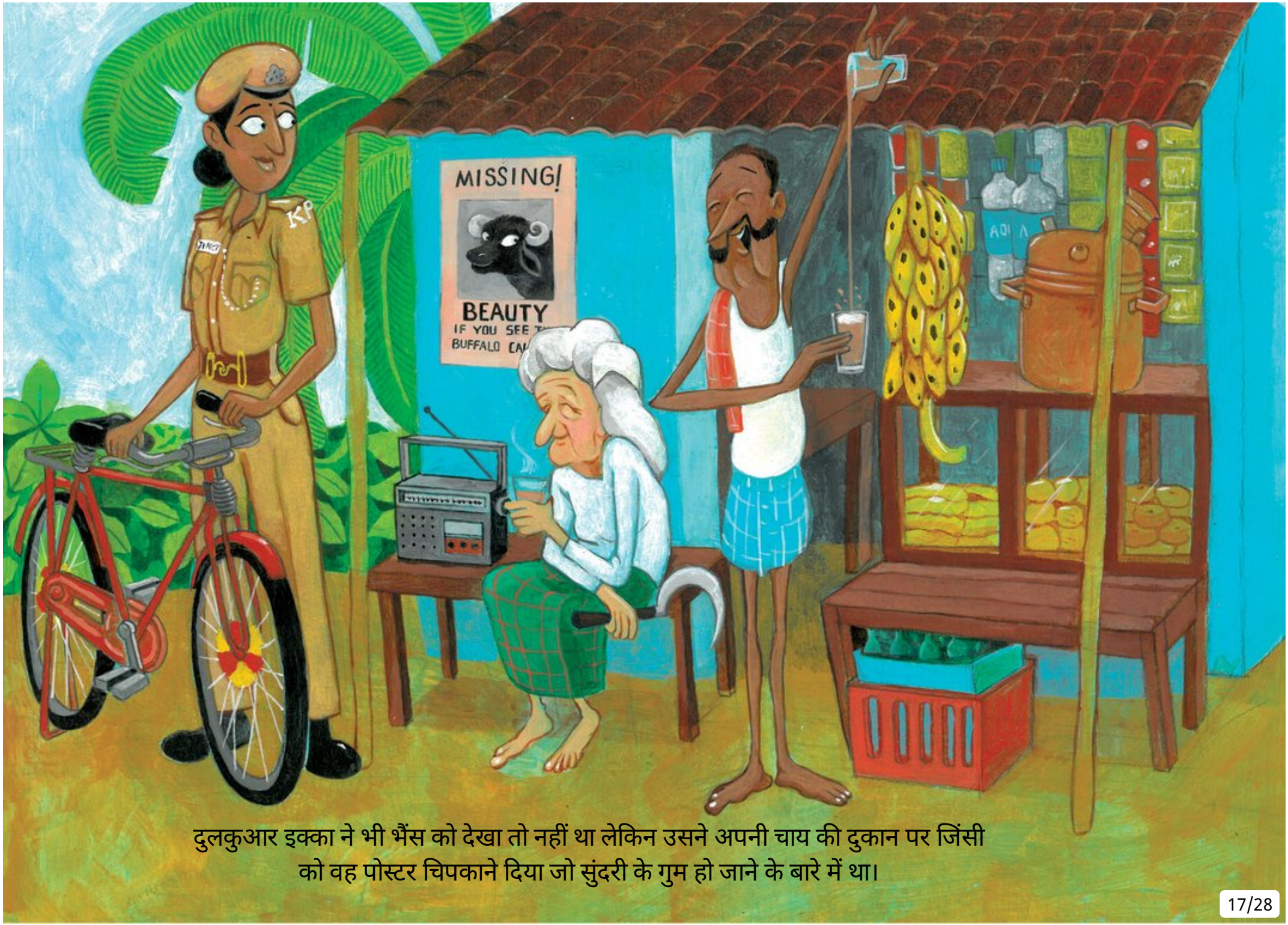

दुलकुआर इक्का ने भी भैंस को देखा तो नहीं था लेकिन उसने अपनी चाय की दुकान पर जिंसी को वह पोस्टर चिपकाने दिया जो सुंदरी के गुम हो जाने के बारे में था।

जिंसी थक गई थी।

घर्र...घर्र...
टिंग...पिंग..
टन्न...

तभी...

टुन-टुन टू...नू..नू!

जिंसी को एक बात सूझी!

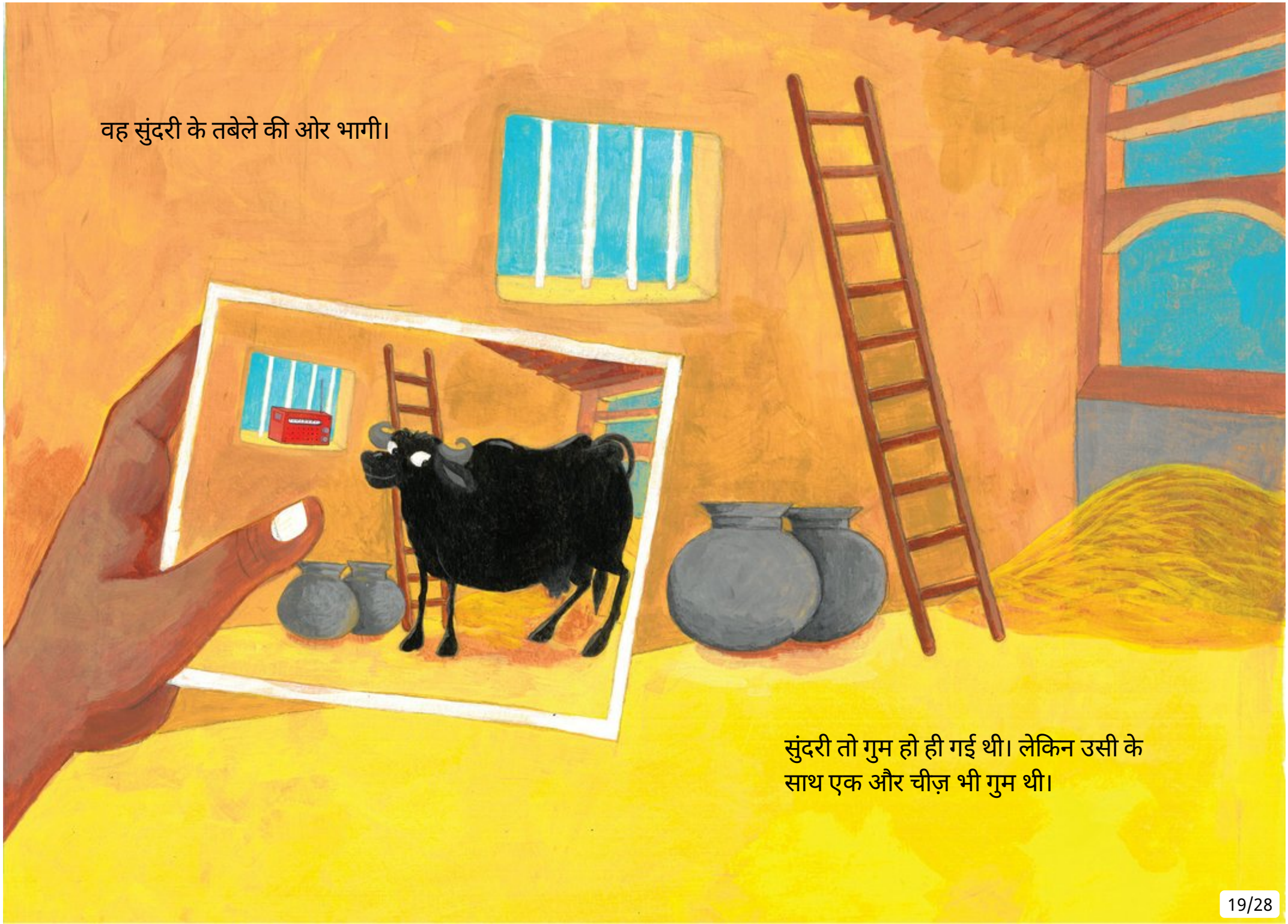

वह सुंदरी के तबेले की ओर भागी।

सुंदरी तो गुम हो ही गई थी। लेकिन उसी के
साथ एक और चीज़ भी गुम थी।

उस रात जिंसी कुछ चीज़ों को दुरुस्त करने के लिए निकली।
ट्रक के अंधेरे के बीच जुगनुओं के साथ-साथ एक और चीज़ चमक रही थी।

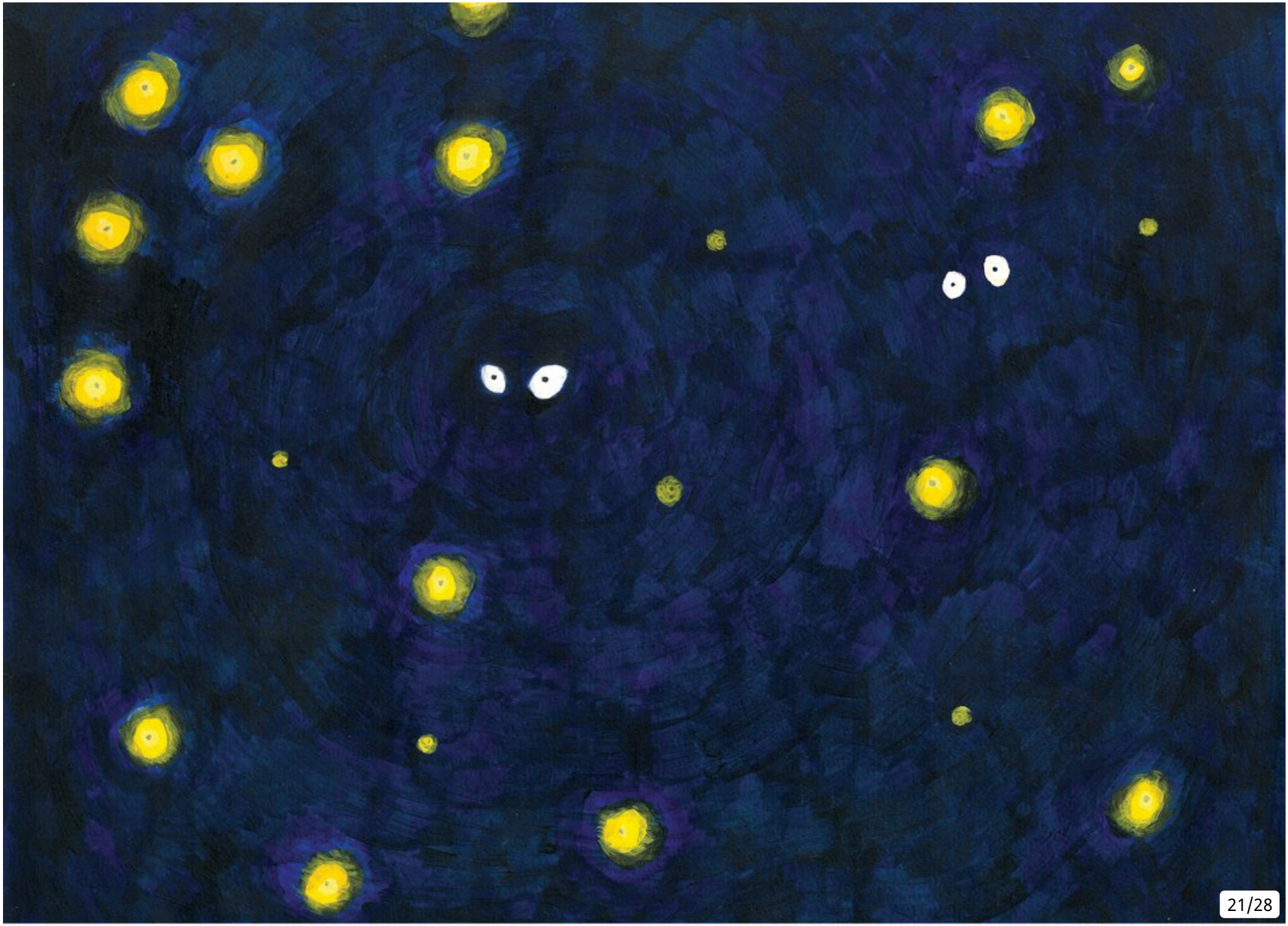

जिंसी ने सुंदरी को ढूँढ़ लिया!

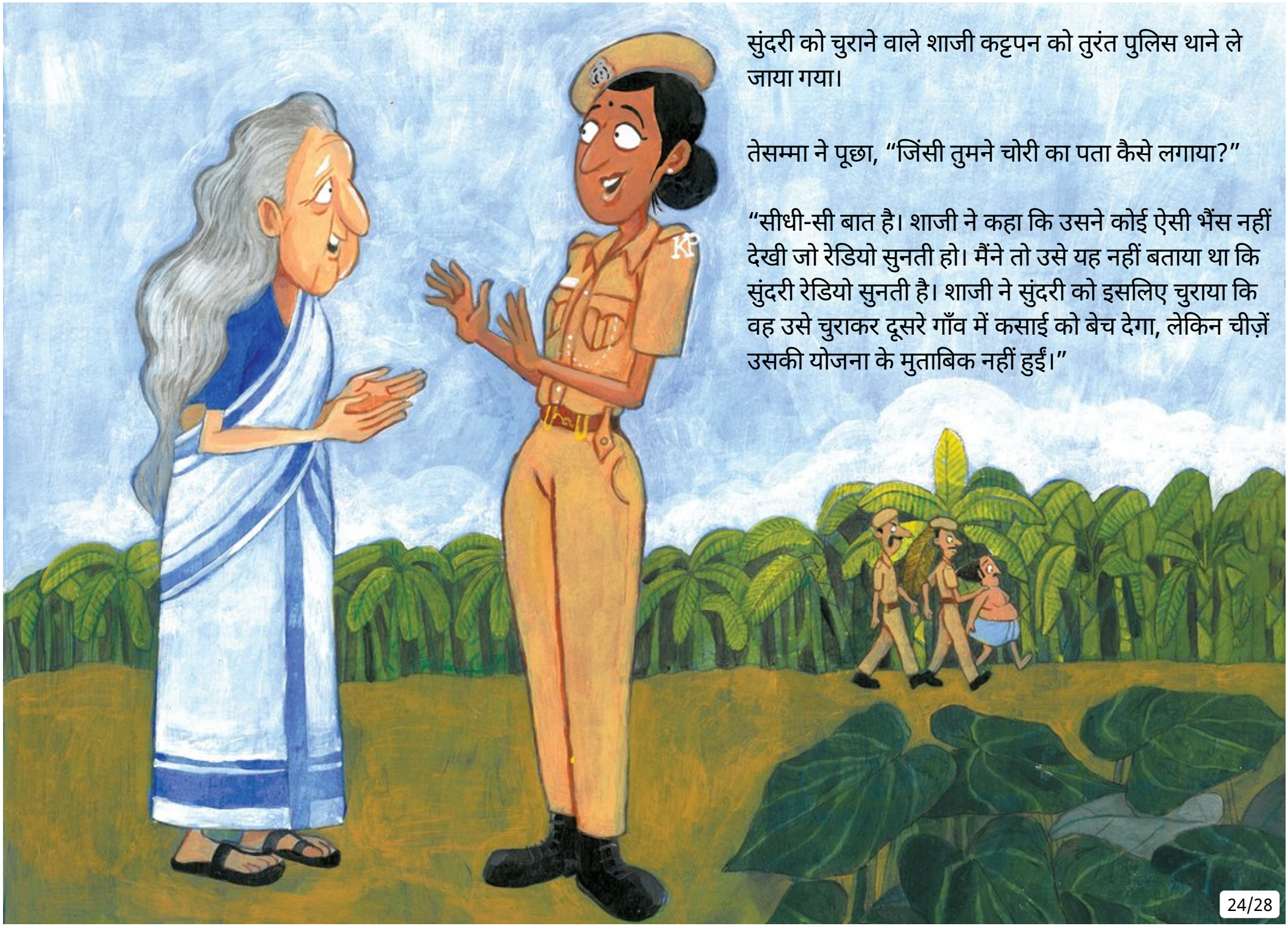

सुंदरी को चुराने वाले शाजी कट्टपन को तुरंत पुलिस थाने ले जाया गया।

तेसम्मा ने पूछा, “जिंसी तुमने चोरी का पता कैसे लगाया?”

“सीधी-सी बात है। शाजी ने कहा कि उसने कोई ऐसी भैंस नहीं देखी जो रेडियो सुनती हो। मैंने तो उसे यह नहीं बताया था कि सुंदरी रेडियो सुनती है। शाजी ने सुंदरी को इसलिए चुराया कि वह उसे चुराकर दूसरे गाँव में कसाई को बेच देगा, लेकिन चीज़ें उसकी योजना के मुताबिक नहीं हुईं।”

शाजी ने बड़ी कोशिश की कि वह सुंदरी को उसकी जगह से बाहर निकाले। लेकिन सुंदरी टस से मस नहीं हुई।

इस पर शाजी ने सोचा कि वह रेडियो को ही क्यों न चुरा ले।

वह यह देखकर ख़ुश हो गया कि सुंदरी रेडियो के बिना एक पल भी नहीं रह सकती।

ज्यों ही वह रेडियो लेकर चला, सुंदरी भी उसके पीछे-पीछे चल पड़ी। और जहाँ ट्रक मरम्मत के लिए खड़ा था, वहाँ तक पहुँच गई।

तेसम्मा सुंदरी को पाकर ख़ुश हो गई।

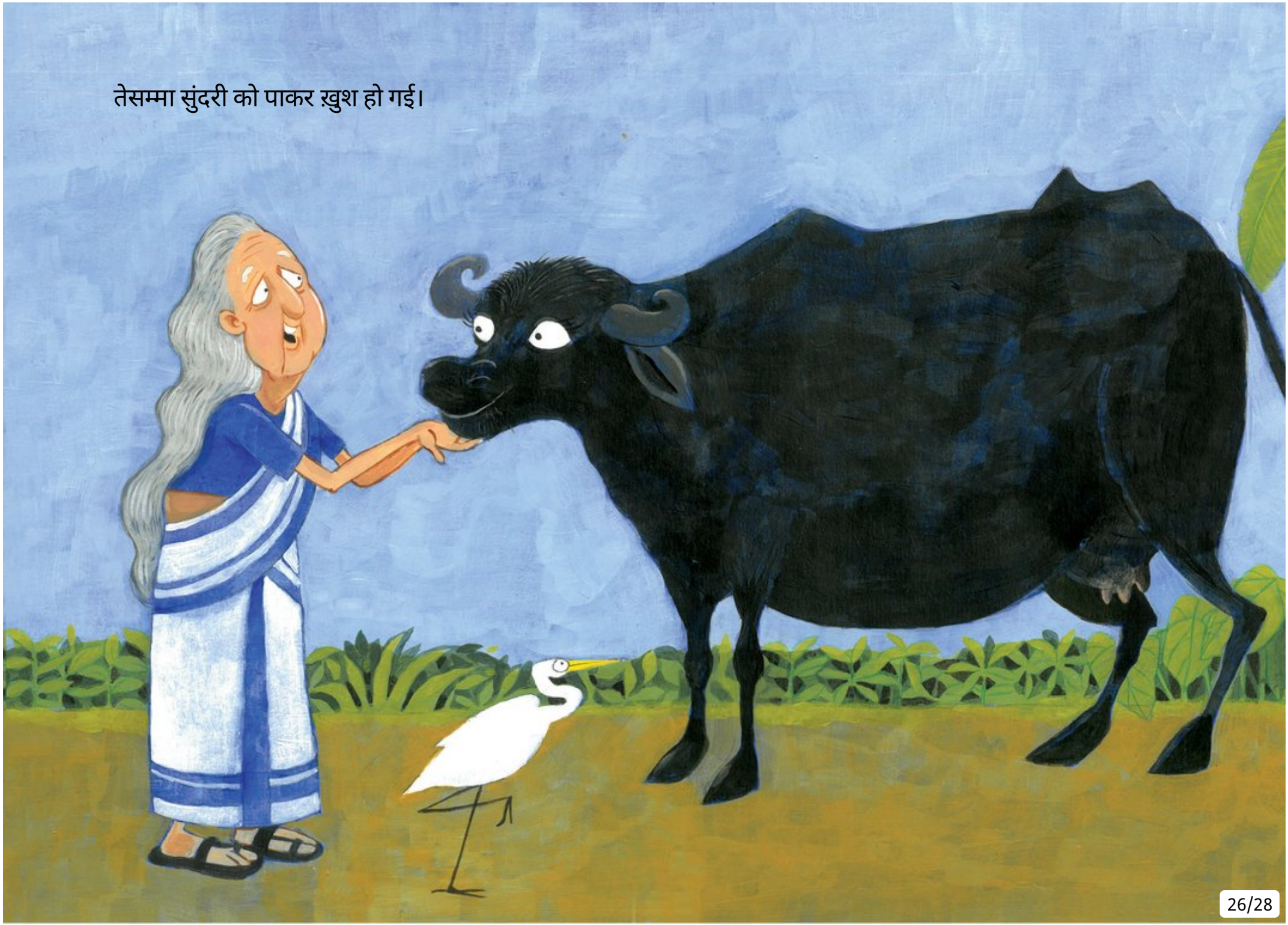

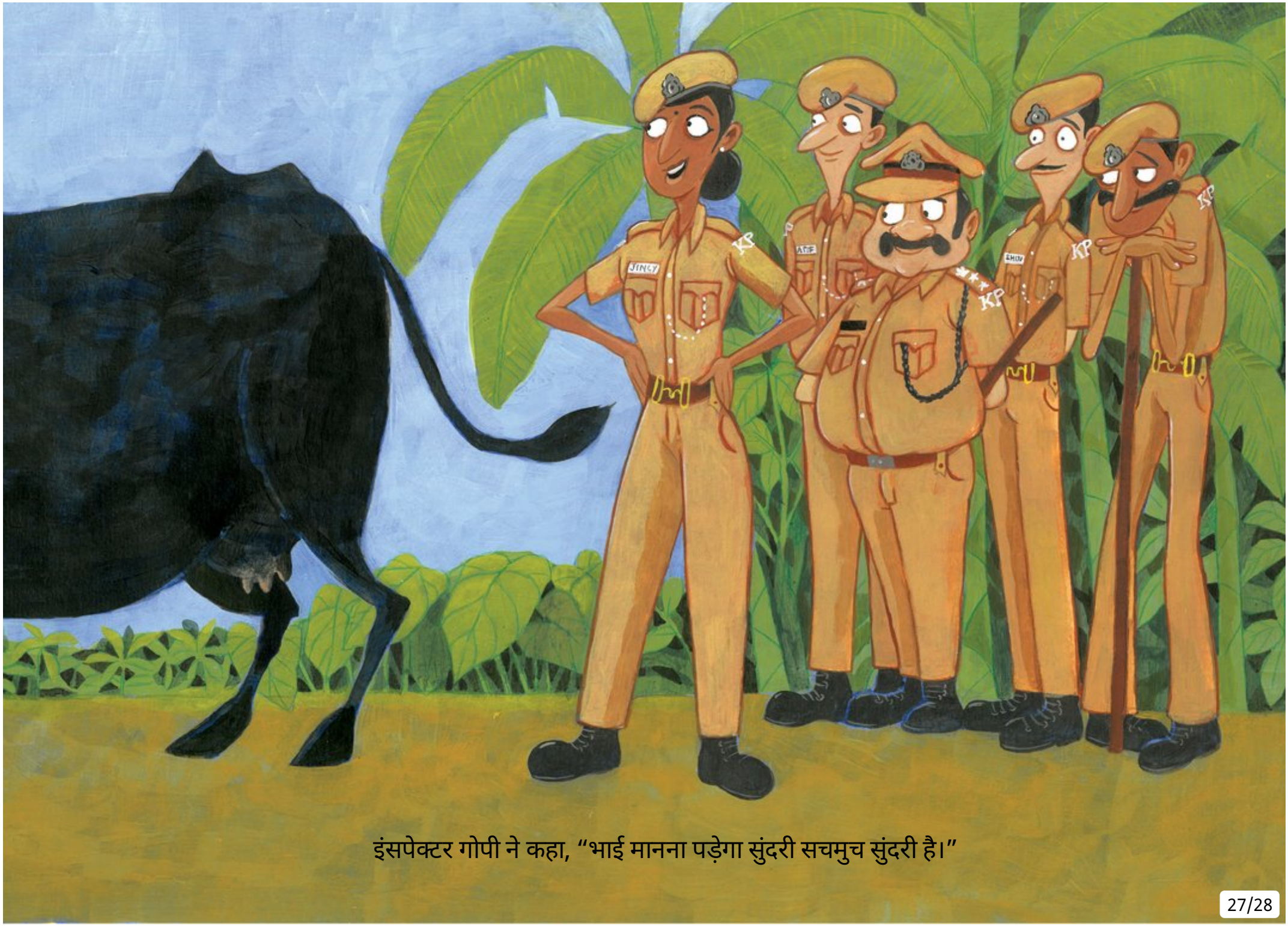

इंसपेक्टर गोपी ने कहा, “भाई मानना पड़ेगा सुंदरी सचमुच सुंदरी है।”

सुंदरी और अन्य भैंसें

भैंसे बुद्धिमान होती हैं। उन्हें अपनी जैसी भैंसों के साथ घूमना-फिरना, दोस्ती गाँठना अच्छा लगता है। उन्हें अक्सर कीचड़ में लोट-पोट करते हुए पाया जाता है। कभी-कभी वे धूल में मस्ती करती हैं, जिससे कि धूप में होने वाली तपन से और कीड़े-मकौड़ों के काटने से वे अपनी मुलायम त्वचा को बचा सकें। उन्हें चरना अच्छा लगता है, घूमना-फिरना भी। शोध से यह भी पता चला है कि वह मंद संगीत सुनना अधिक पसंद करती हैं। इससे उनका तनाव कम होता है और सुकून भी मिलता है।

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Story Attribution:

This story: लापता सुंदरी is translated by Prayag Shukla . The © for this translation lies with Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'Beauty Is Missing', by Priya Kuriyan . © Pratham Books , 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

'Laapata Sundari' has been published on StoryWeaver by Pratham Books. www.prathambooks.org. The development of this book has been supported by Humane Society International in collaboration with Humane Society International India.

Images Attributions:

Cover page: Buffalo is missing poster, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Old lady and goat are surprised, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Police station and jeep surrounded by greenery, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: Old lady with a photo in hand looks at four inspectors laughing, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Inspector holding red file looks angry, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Inspector staring at bulletin board filled with posters, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: Old lady talking while inspector takes notes, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: Buffalo doing various activities while listening to music , by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: Inspector notes down the activities that the buffalo does, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: Inspector on cycle listening to a man wearing a lungi, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

HUMANE SOCIETY INTERNATIONAL INDIA

The development of this book has been supported by Humane Society International in collaboration with Humane Society International India

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 11: Cow dung, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: Inspector talking to two women who are on their way back from a bath, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: Lush greenery and a lizard, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: Inspector stops in front of a truck, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: Man holding a hammer and repairing his truck, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: Map of the village with a mosque, church and other buildings, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: Inspector with cycle comes to a tea stall, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: Inspector is startled by the loud noise of the radio, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: Inspector holds up a photo in a shed, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 20: Inspector going to the truck at night with flashlight, by Priya Kuriyan © Priya Kuriyan, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 21: Fireflies and two pairs of eyes in the darkness, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 22: Inspector shining a torch in the dark, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

HUMANE SOCIETY INTERNATIONAL INDIA

The development of this book has been supported by Humane Society International in collaboration with Humane Society International India

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 23: Buffalo and man startled in the light, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 24: Inspector talks to old woman while man is arrested, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 25: Man steals the radio and is followed by buffalo, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 26: Old woman petting buffalo, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 27: Inspectors looking at buffalo, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 28: Buffalo grazing while listening to music, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

HUMANE SOCIETY INTERNATIONAL INDIA

The development of this book has been supported by Humane Society International in collaboration with Humane Society International India

लापता सुंदरी

(Hindi)

तेसम्मा की प्रिय भैंस सुंदरी लापता है। किसी को नहीं मालूम कि वह कहाँ गई। लेकिन सिपाही जिंसी को विश्वास है कि वह उसे ढूँढ़ निकालेगी। वह पूरा गाँव छान मारती है। लोगों से भैंस के बारे में पूछती है और सुराग ढूँढ़ती है। क्या जिंसी सुंदरी को ढूँढ़ पाएगी? संगीत प्रेमी भैंस सुंदरी के गुम होने का रहस्य आख़िरकार है क्या?

This is a Level 3 book for children who are ready to read on their own.

PRATHAM BOOKS storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!